दिनांक 29, जनवरी, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

प्राणि उद्यान, लखनऊ में एक जोड़ी नया हिमालयन काला भालू वन्य जीव विनिमय के तहत हिमाचल प्रदेश के हिमालयन नेचर पार्क, कुफरी (शिमला) से लाये जायेंगे। वर्तमान में प्राणि उद्यान, लखनऊ में 02 हिमालयन काला भालू हैं (01 नर व 01 मादा) परन्तु दोनों ही काफी वृद्ध हो गये हैं। प्राणि उद्यान द्वारा पिछले एक वर्ष से लगातार प्रयास किये जा रहे थे कि एक जोड़ा हिमालयन काला भालू प्राप्त हो सके जिसके तहत यह सफलता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त कुफरी से बहुत ही आकर्षक एवं दुर्लभ 02 कलीज फीजेन्टस (01 नर एवं 01 मादा) तथा 03 जोड़ा चीड़ फीजेन्टस (01 नर एवं 03 मादा) भी लाये जायेंगे। इसके बदले में प्राणि उद्यान, लखनऊ द्वारा कुफरी को 04 स्वैम्प डियर (02 नर एवं 02 मादा), 03 हॉग डियर (01 नर एवं 02 मादा), 04 स्पॉटेड डियर (02 नर एवं 02 मादा) दिये जायेंगे।

उक्त वन्य जीव विनिमय प्रोग्राम केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत किया गया है। इन वन्य जीवों को अगले माह मौसम अनुकूल होने पर लाया जायेगा।

हिमालयन काला भालू हिमालय क्षेत्र के हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, जम्मू–कश्मीर, पश्चिम बंगाल, सिक्किम आदि के ऊॅचे हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में पाये जाते हैं। यह भालू देश के अन्य भागों में पाये जाने वाले देशी भालू से काफी बड़े एवं भारी होते हैं।

हिमालयन काला भालू की मुख्य विशेषताएं निम्न प्रकार हैं–

आकार– लगभग 4'8'' से 5'5'' तक।

भार– लगभग 80 से 200 किग्रा0।

आयु– लगभग 30 से 40 वर्ष।

विस्तार– हिमालय क्षेत्र में 5 से 12 हजार फुट की ऊॅचाई तक कश्मीर एवं आसाम।

आहार– फल–फूल, शहद, दीमक, कीड़े तथा कभी–कभी भेड़ बकरी आदि।

प्रजनन– एक बार में दो शावक जन्म लेते हैं।

संरक्षण– वन्य जीव अधिनियम की अनुसूची –2

विशेष– इसके सीने पर एक सफेद वी आकार के चिन्ह होता है। यह अपनी रोंयेदार खाल तथा काले पंजों के कारण आम भालू से भिन्न होता है। यह मुख्य रूप से सर्वाहारी है, किन्तु गढ़ढ़े खोदकर कंद तथा जड़ें भी खा जाता है। इसके पास सूंघने की असाधारण शक्ति होती है। किन्तु दृष्टि अत्यन्त कमजोर होती है। यह शीतकाल में सोता है। शिकारियों द्वारा अतिक्रमण, प्राकृतिक निवास स्थान की क्षति आदि इस प्राणि के लिए मुख्य खतरे हैं।

प्राणि उद्यान द्वारा लगातार पिछले 02 वर्षों से नये–नये वन्य जीवों को मंगाकर चिड़ियाघर को और अधिक आकर्षक एवं समृद्ध बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इन प्रयासों से प्राणि उद्यान में वन्य जीवों के संग्रह के दृष्टिकोण से देश के सर्वश्रेष्ठ प्राणि उद्यानों में से एक हो गया है जिसमें 100 से अधिक वन्य जीवों, पक्षियों तथा शरीरसृपों की प्रजातियॉ हैं। पिछले 02 वर्षों में वन्य जीवों के संग्रह के लिए किये गये प्रयासों के फलस्वरूप 01 सफेद बाघिन, 02 जोड़ा शुतुरमुर्ग, 01 जोड़ा बब्बर, 01 जोड़ा सियार, 01 जोड़ा भेड़िया, 01 जोड़ा दुर्लभ बड़ा उल्लू, 06 बोनट बन्दर, 01 जोड़ा लंगूर तथा अनेक प्रकार के फीजेन्टस एवं पक्षी सम्मिलित हैं। (–ह0–)

(अनुपम गुप्ता)
निदेशक
प्राणि उद्यान, लखनऊ